>

Title: Need to construct Jetties at Hirakot, Sutrapara and Dhamlej sea-coasts in Gujarat.

श्री जसुभाई धानाभाई बारड़ (जूनागढ़) : गुजरात राज्य के पोरबन्दर, जूनागढ़ और भावनगर जिलों के बीच में लगभग 250 से 300 किलोमीटर का समुद्रीय क्षेत्र है। इन तटीय क्षेत्रों में लगभग 3 से 4 लाख परिवारों का मुख्य कार्य मछली पकड़ना है और इन समुद्रीय तटों में आए हुए पोरबंदर तट, वेरावल तट और मांगरोल तट के मछुआरों के पास लगभग 20 हजार नावें हैं और इन्हीं तीनों तटों पर कुल मिलाकर 16 स 18 हजार नावों को तट पर रखने की सुविधा उपलब्ध है। उनके अलावा हीराकोट तट, सुत्रपाड़ा तट, धामलेज तट जो कि तट के छोटे क्षेत्र है, इन तटों के ऊपर जेटी नहीं होने की वजह से वहां रहने वाले मछुआरों को अपनी नावों को समुद्र में उतारना और वापस नावों के साथ किनारे पर आने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। जिससे नावों को भी नुकसान होता है। गुजरात सरकार ने इस बात को ध्यान में रखकर उसी समुद्र तट पर हीराकोट तट, सुत्रपाड़ा तट, धामलेडा तट क्षेत्र में जेटी बनाने के लिए केन्द्र सरकार को प्रस्ताव भेजा है। मेरी जानकारी के अनुसार तीनों क्षेत्रों में जेटी बनाने का सर्वेक्षण कार्य हो चुका है और जेटी वहां बन सकती है।

गुजरात सरकार के द्वारा भारत सरकार को भेजे हुए प्रस्ताव पर अभी तक किसी भी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं हुई है।

मैं इस प्रस्ताव को नियम 377 के अधीन सूचना के द्वारा दिनांक 16.03.2005 पहले भी रख चुका हूं, लेकिन तीन वर्ष के पश्चात् मुझे अभी तक इस प्रस्ताव का किसी भी कार्य प्रगति की सूचना प्राप्त नहीं हुई है।

मैं भारत सरकार से अनुरोध करता हूं कि मेरे इस प्रस्ताव से संबंधित मंत्रालय एवं विभाग को जरूरी दिशा-निर्देश दिये जाये और शीघ्र कार्यवाही की जाये।